



पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड,

पंजीकृत कार्यालय:- अधीक्षण अभियन्ता, विद्युत वितरण मण्डल, महाराजगंज उ०प्र०, (भारत)-273303

E-mail: seedcmaharajganj@gmail.com CIN-U31200UP2003SGC027461

पत्रांक : 1044 / वि०वि०म०(मह०) /
सेवा में,

दिनांक : 08/05/2026

1. विज्ञापन व्यवस्थापक,
आज राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक गोरखपुर।

2. विज्ञापन व्यवस्थापक
गोरखपुर मेल, गोरखपुर।

महोदय,

- कृपया संलग्नक विज्ञापन अपने प्रतिष्ठित दैनिक समाचार पत्र में दिनांक 10.05.2026 तक के अंक में "कम से कम स्थान में" (हिन्दी भाषा के समाचार पत्रों के लिए 12 प्वाइंट टाइप में तथा अंग्रेजी भाषा के समाचार पत्रों के लिए 10' प्वाइंट टाइप में) (समाचार पत्र में केवल "एक कालम में") प्रकाशित करने की व्यवस्था करें। हेडिंग व नीचे के नाम व पता यथासम्भव एक ही लाइन में रनिंग मेटर के रूप में कम से कम स्थान में प्रकाशित करें।
- समाचार पत्रों में उक्त निविदा प्रकाशन 08 से०मी० चौड़ाई के कॉलम (Equivalent to 2 columbs of newspaper) में प्रकाशित कराया जाये।
- ई-निविदा प्रकाशन करने में निदेशक (वितरण), उ०प्र० पावर कारपोरेशन लिमिटेड, लखनऊ के कार्यालय पत्रांक 488/रेस्पो/द्वि०प्र० दिनांक 06.08.2025 (छायाप्रति संलग्न) का पूर्ण अनुपालन कराया जाये।
- स्थानीय प्रकृति की सूचनाएं जैसे बिजली बन्द रहने की सूचना, उपभोक्ता शिविर लगाने की सूचना, बिजली बिल के सम्बन्ध में सूचना आदि का प्रकाशन यथासम्भव समाचार पत्र के स्थानीय पृष्ठ पर तथा निविदा सूचनाओं का प्रकाशन निविदा हेतु निर्धारित पृष्ठ पर करने की व्यवस्था सुनिश्चित करें।
- प्रकाशन के बाद विज्ञापन आदेश की प्रथम मूल प्रति प्रकाशन हेतु प्रेषित सामग्री की मूल प्रति के साथ विज्ञापन शुल्क का बीजक तीन प्रतियों में, डी.ए.वी.पी. की दरों की प्रमाणित प्रति में अग्रिम भुगतान प्राप्ति रसीदी टिकट सहित प्रकाशित विज्ञापन की दो सम्पूर्ण बाउचर प्रतियां संलग्न करते हुए भुगतान हेतु प्रबन्ध निदेशक, पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, डी०एल०डब्ल्यू० वाराणसी को एवं अधोहस्ताक्षरी को (जहां भुगतान क्षेत्रीय स्तर पर होना है) प्रेषित करें। विज्ञापन आदेश की प्रथम प्रति के स्थान पर फोटो प्रति प्रेषित करने पर सत्यापन/भुगतान सम्भव नहीं होगा।
- संलग्न हिन्दी/अंग्रेजी भाषा की विज्ञापन सामग्री का प्रकाशन अंग्रेजी भाषा में और हिन्दी भाषा के समाचार पत्र के लिए संलग्न अंग्रेजी भाषा की सामग्री का अनुवाद हिन्दी भाषा में करने के उपरान्त ही विज्ञापन प्रकाशित किया जाये जिसके लिए समाचार पत्र को कोई अतिरिक्त शुल्क देय नहीं होगा।
- विज्ञापन प्रकाशित होते ही विलम्बतम् एक सप्ताह के अन्दर प्रकाशित विज्ञापन की एक कटिंग अधोहस्ताक्षरी को सूचनार्थ अवश्य भेज दी जाये अन्यथा सम्बन्धित बीजक का सत्यापन/भुगतान नहीं किया जायेगा।
- यदि आपको सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश तथा विज्ञापन एवं दूर्य प्रचार निदेशालय, भारत सरकार द्वारा विज्ञापन दरें स्वीकृत न हो तो कृपया विज्ञापन का प्रकाशन न करें तथा अधोहस्ताक्षरी को अविलम्ब इस आशय की सूचना देने का कष्ट करें।
- विज्ञापन के अन्त में सबसे नीचे छोटे टाइप में "राष्ट्रहित में बिजली बचाये" का नारा तथा इस विज्ञापन आदेश की संख्या व दिनांक अवश्य प्रकाशित करें।
- उक्त निर्देशों के विपरीत तथा गलत अथवा भद्दे ढंग से प्रकाशित किये गये विज्ञापनों में निगम द्वारा नियमानुसार आवश्यक कटौती की जा सकती है अथवा सम्पूर्ण बीजकों का भुगतान रोका/निरस्त किया जा सकता है।

संलग्नक-विज्ञापन आदेश प्रथम एवं द्वितीय प्रति।

पत्रांक-

/वि०वि०म०(म०)/

दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- जनसम्पर्क अधिकारी, पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, विद्युतनगर, पो० डी०एल०डब्ल्यू०, वाराणसी।
- मुख्य अभियन्ता (वितरण), पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, गोरखपुर क्षेत्र, गोरखपुर।
- अधिशाली अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड-प्रथम, महाराजगंज/द्वितीय-आनन्दनगर/निचलौल/नौतनवां/परी० खण्ड-महाराजगंज।
- कार्यालय नोटिस बोर्ड।

संलग्नक-विज्ञापन आदेश।

वाई०पी० सिंह
अधीक्षण अभियन्ता

वाई०पी० सिंह
अधीक्षण अभियन्ता

पत्रांक 1044/वि.वि.मं. (मह.) / दिनांक 08/05/2026

Bold
Hindi font-Kruti Dev 010
size 12
English font- Times new
roman size 10

8 cm

Bold
Hindi font-Kruti Dev 010
size 14
English font- Times new
roman size 12

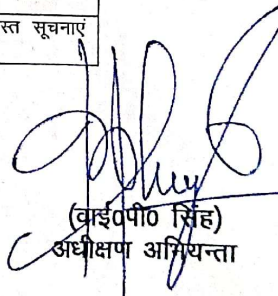
पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लि०
अधीक्षण अभियन्ता, विद्युत वितरण मण्डल, महाराजगंज

ई-निविदा सूचना दिनांक : 09.05.2026

- 1 5/EDC(M)MRJ/2026-27 विद्युत वितरण खण्ड-प्रथम महाराजगंज के अन्तर्गत दैवीय आपदा से क्षतिग्रस्त लाईनों के मरम्मत एवं पुनः निर्माण कार्य। प्रपत्र शुल्क-रु० 1180 धरोहर धनराशि 5000
- 2 6/EDC(M)MRJ/2026-27 विद्युत वितरण खण्ड-प्रथम महाराजगंज के अन्तर्गत आकस्मिक क्षतिग्रस्ता को दूर करने मरम्मत कार्य। प्रपत्र शुल्क-रु० 1180 धरोहर धनराशि 5000
- 3 7/EDC(M)MRJ/2026-27 विद्युत वितरण खण्ड-प्रथम महाराजगंज के अन्तर्गत विभिन्न क्षमता के वितरण परिवर्तकों के खराब/क्षतिग्रस्त को भण्डार केन्द्र तक एवं नया/मरम्मत शुदा परिवर्तक को भण्डार केन्द्र से साइट तक पहुचाने का कार्य। प्रपत्र शुल्क-रु० 1180 धरोहर धनराशि 3000
- 4 8/EDC(M)MRJ/2026-27 विद्युत वितरण खण्ड-द्वितीय आनन्दनगर के अन्तर्गत दैवीय आपदा से क्षतिग्रस्त लाईनों के मरम्मत एवं पुनः निर्माण कार्य। प्रपत्र शुल्क-रु० 1180 धरोहर धनराशि 5000
- 5 9/EDC(M)MRJ/2026-27 विद्युत वितरण खण्ड-द्वितीय आनन्दनगर के अन्तर्गत आकस्मिक क्षतिग्रस्ता को दूर करने मरम्मत कार्य। प्रपत्र शुल्क-रु० 1180 धरोहर धनराशि 5000
- 6 10/EDC(M)MRJ/2026-27 विद्युत वितरण खण्ड-द्वितीय आनन्दनगर के अन्तर्गत विभिन्न क्षमता के वितरण परिवर्तकों के खराब/क्षतिग्रस्त को भण्डार केन्द्र तक एवं नया/मरम्मत शुदा परिवर्तक को भण्डार केन्द्र से साइट तक पहुचाने का कार्य। प्रपत्र शुल्क-रु० 1180 धरोहर धनराशि 2000
- 7 11/EDC(M)MRJ/2026-27 विद्युत वितरण खण्ड-नौतनवा के अन्तर्गत दैवीय आपदा से क्षतिग्रस्त लाईनों के मरम्मत एवं पुनः निर्माण कार्य। प्रपत्र शुल्क-रु० 1180 धरोहर धनराशि 5500
- 8 12/EDC(M)MRJ/2026-27 विद्युत वितरण खण्ड- नौतनवा के अन्तर्गत आकस्मिक क्षतिग्रस्ता को दूर करने मरम्मत कार्य। प्रपत्र शुल्क-रु० 1180 धरोहर धनराशि 5000
- 9 13/EDC(M)MRJ/2026-27 विद्युत वितरण खण्ड-नौतनवा के अन्तर्गत विभिन्न क्षमता के वितरण परिवर्तकों के खराब/क्षतिग्रस्त को भण्डार केन्द्र तक एवं नया/मरम्मत शुदा परिवर्तक को भण्डार केन्द्र से साइट तक पहुचाने का कार्य। प्रपत्र शुल्क-रु० 1180 धरोहर धनराशि 2500
- 10 14/EDC(M)MRJ/2026-27 विद्युत वितरण खण्ड-निचलौल के अन्तर्गत दैवीय आपदा से क्षतिग्रस्त लाईनों के मरम्मत एवं पुनः निर्माण कार्य। प्रपत्र शुल्क-रु० 1180 धरोहर धनराशि 5000
- 11 15/EDC(M)MRJ/2026-27 विद्युत वितरण खण्ड-निचलौल के अन्तर्गत आकस्मिक क्षतिग्रस्ता को दूर करने मरम्मत कार्य। प्रपत्र शुल्क-रु० 1180 धरोहर धनराशि 5000
- 12 16/EDC(M)MRJ/2026-27 विद्युत वितरण खण्ड-निचलौल के अन्तर्गत विभिन्न क्षमता के वितरण परिवर्तकों के खराब/क्षतिग्रस्त को भण्डार केन्द्र तक एवं नया/मरम्मत शुदा परिवर्तक को भण्डार केन्द्र से साइट तक पहुचाने का कार्य। प्रपत्र शुल्क-रु० 1180 धरोहर धनराशि 2000

ई-निविदा की अन्तिम तिथि : 22 मई 2026, 14.00 बजे।

विरतृत जानकारी एवं प्रपत्र वेबसाइट <https://etender.up.nic.in> पर उपलब्ध है। अग्रेतर समस्त सूचनाएं वेबसाइट पर ही प्रदर्शित की जाएंगी।


(वाइ०पी० सिंह)
अधीक्षण अभियन्ता

यांत्रिक कारखाना में 'कम्प्यूटरीकृत ब्रेक परीक्षण फैसिलिटी' का उद्घाटन



कम्प्यूटरीकृत ब्रेक परीक्षण फैसिलिटी के उद्घाटन के अवसर पर मुख्य कारखाना प्रबंधक डॉ० सुनील कुमार शर्मा साथ में अंजलि

गोरखपुर (गो०ने०)। यांत्रिक कारखाना, गोरखपुर कार्यशाला के आधुनिकीकरण एवं गुणवत्ता सुधार की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है। महाप्रबंधक, पूर्वांचल रेलवे उदय बोरखणकर के मार्गदर्शन में कारखाना नई तकनीकों को अपना कर अपने कर्मचारियों को

आधुनिक प्रणालियों एवं उन्नत अनुसंधान तकनीकों में निरंतर प्रशिक्षित भी कर रहा है। इसी क्रम में, मुख्य कारखाना प्रबंधक/यांत्रिक कारखाना डॉ० सुनील कुमार शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति में बरिष्ठ पर्यवेक्षक श्री विजय कुमार ने शुक्रवार को कारखाना

रिश्त एयर ब्रेक शॉप में सभी एल.एच.पी. एवं आई.सी.एफ. कोचों के अंतिम एयर ब्रेक परीक्षण हेतु अत्याधुनिक कम्प्यूटरीकृत ब्रेक परीक्षण फैसिलिटी (सिंगल कार टेस्ट रिग-एस.सी.टी.टी.आर.) का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/कार्य अनुज कुमार मिश्र, उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/रिपेयर श्री सर्वद्वी कुमार वर्मा, पर्यवेक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

इस अवसर पर मुख्य कारखाना प्रबंधक डॉ० सुनील कुमार शर्मा ने कहा कि कार्यशाला में आधुनिक तकनीकों का निरंतर समावेश गुणवत्ता एवं अनुसंधान दक्षता को और सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यह अत्याधुनिक प्रणाली कोचों के ब्रेक सिस्टम की जाँच

को अधिक तेज, सटीक एवं विश्वसनीय बनायेगी। इसमें ऑटोमेटिक लॉगिंग, डिजिटल डिस्प्ले एवं डेटा रिकॉर्डिंग जैसी आधुनिक सुविधियाँ उपलब्ध हैं, जिनके माध्यम से डिस्ट्रीब्यूटिव वाल्व तथा अन्य ब्रेक उपकरणों का त्रुटिरहित परीक्षण किया जा सकेगा। इस प्रणाली की विशेषता है कि यह बिना लोकोमोटिव के ही कोच के ब्रेक सिस्टम की स्वचालित जाँच करने में सक्षम है। परीक्षण के दौरान यह प्रणाली विभिन्न मानकों की स्वतः जाँच कर उनका डेटा रिकॉर्ड करती है। इसके माध्यम से एयर लीकेज, इमरजेंसी ब्रेक की कार्यक्षमता तथा ब्रेक रिलीज प्रणाली जैसी महत्वपूर्ण स्थितियों का तेज एवं सटीक परीक्षण किया जा सकेगा, जिससे सम्भावित त्रुटियों का समय रहते पता लगाया जा सकेगा। इसके

अतिरिक्त, कोचों के ब्रेक सिस्टम तथा एयर प्रेशरेशन से जुड़े उपकरणों की ऑटोमेटिक जाँच की सुविधा भी उपलब्ध है, जिससे कोचों के विश्वसनीयता एवं यात्रा सुरक्षा को और अधिक मजबूत बनाया जा सकेगा।

इस प्रणाली में इंटीग्रेजेटेड टेस्टिंग एंड फेडबैक सिमुलेशन जैसी आधुनिक सुविधा भी उपलब्ध है, जिसके माध्यम से सम्भावित त्रुटियों का पहले से आकलन किया जा सकेगा। इसके कोचों के दीर्घकालिक अनुसंधान विश्लेषण को अधिक व्यवस्थित, सटीक एवं प्रभावी बनाया जा सकेगा। इस तकनीक के उपयोग से मानवीय त्रुटियों की समाधान कम होगी तथा रेल यात्रा को अधिक सुरक्षित, विश्वसनीय एवं तकनीक सक्षम बनाने में सहायता मिलेगी।

रेल यात्रा सम्बन्धी अनुभव हिंदी में लिखित रूप में आमंत्रित

गोरखपुर (गो०ने०)। रेल कर्मियों, सेवानिवृत्त रेल कर्मियों उनके परिजन सहित अक्षरों से रेल यात्रा सम्बन्धी अनुभव मंगाने एवं उनके अनुभवों के आधार पर रेल सुविधाओं को बेहतर बनाने तथा उनमें हिंदी के प्रयोग-प्रसार को बढ़ाने के उद्देश्य से, रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) की रेल यात्रा वृत्तांत पुरस्कार योजना-वर्ष 2026 के अंतर्गत अखिल भारतीय स्तर पर रेल यात्रा सम्बन्धी अनुभव हिंदी में लिखित रूप में आमंत्रित किये जा रहे हैं। जिसमें विजेता प्रतिभागियों में एक को प्रथम पुरस्कार के रूप में रु. 10,000/- (रु. दस हजार) तथा द्वितीय पुरस्कार के रूप में रु. 8,000/- (रु. आठ हजार), तृतीय पुरस्कार के रूप में रु. 6,000/- (रु. छ. हजार) तथा पाँच को प्रथम पुरस्कार के रूप में रु. 4,000/- (रु. चार हजार) की राशि प्रत्येक को एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया जायेगा। रेल यात्रा वृत्तांत प्रतियोगिता में भाग लेने वाले

प्रतियोगी रेलकर्मों अपनी प्रविष्टि तीन प्रतियों में 21 जुलाई, 2026 तक रासनाभा अधिकारी, प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी कार्यालय, पूर्वांचल रेलवे, गोरखपुर को तथा सेवानिवृत्त रेलकर्मों अपना अन्य व्यक्ति अपनी टिकट प्रविष्टि दो प्रतियों में 31 जुलाई, 2026 तक सहायक निदेशक (हिंदी प्रशासन), कम्परा नं. 316, कोचमो रेल कार्यालय परिसर, अखिल भारतीय स्तर पर रेल यात्रा सम्बन्धी अनुभव हिंदी में लिखित रूप में आमंत्रित किये जा रहे हैं। जिसमें विजेता प्रतिभागियों में एक को प्रथम पुरस्कार के रूप में रु. 10,000/- (रु. दस हजार) तथा द्वितीय पुरस्कार के रूप में रु. 8,000/- (रु. आठ हजार), तृतीय पुरस्कार के रूप में रु. 6,000/- (रु. छ. हजार) तथा पाँच को प्रथम पुरस्कार के रूप में रु. 4,000/- (रु. चार हजार) की राशि प्रत्येक को एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया जायेगा। रेल यात्रा वृत्तांत प्रतियोगिता में भाग लेने वाले

के ऊपर एक अलग पन्ना लगाया जाये, जिस पर बड़े अक्षरों में शीर्षक: रेल यात्रा वृत्तांत-2024, उप शीर्षक: लेखक द्वारा लिखा गया शीर्षक, नाम, पदनाम, आयु, कार्यालय/विभागा का पता, मातृभाषा, रेलवे फोन नम्बर, मोबाइल नम्बर, ई-मेल तथा कुतूहल के शब्दों की संख्या आदि का उल्लेख किया जाना चाहिये। इस योजना में भाग लेने वाले केंद्र/राज्य सरकार के अधिकारी/कर्मचारी पर सतर्कता/अनुशासन एवं आपसी विनय से सम्बंधित मानवता लब्धित या विचारशील न हो। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले अनुभव को भी घोषणा पत्र देना होगा कि उन पर अपराधिक गमलना नहीं है। इसके अतिरिक्त सभी प्रतिभागियों को घोषणा पत्र में ही उल्लेख करना होगा कि सम्बंधित रेल यात्रा वृत्तांत मेरी सन्धि रचना है, इसे किसी अन्य पुरस्कार योजना के अंतर्गत पुरस्कृत नहीं किया गया है।

यह विश्वविद्यालय के तेजी से बदलते अकादमिक संस्कृति का एक और परिचायक है: कुलपति

कुलपति प्रो पूनम टंडन ने दी शुभकामनाएं



संवादादाता गोरखपुर। दिन दयाल उपप्राध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की आरंभणीय कुलपति प्रो पूनम टंडन जी ने इस शोध पत्र के प्रकाशन पर अपनी हार्दिक प्रसन्नता व्यक्त की है और कहा कि यह विश्वविद्यालय के तेजी से बदलते अकादमिक संस्कृति का एक और परिचायक है। पहले कला संकाय के पारंपरिक विषयों तथा साहित्य और मानविकी के विषयों पर प्रकाशन नहीं के बराबर होते थे। इसका दो वर्षों में इसकी शुरुआत हुई है। हम अन्य विभागों से भी यह आशंका करते हैं कि वे भी अपने प्रकाशन ऐसे प्रकाशनीय मानक वाले शोध पत्रिकाओं में अपने शोध को प्रकाशित करें।

इससे विश्वविद्यालय की संरचना में भी सुधार आता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आगे भी इस प्रकार के शोधों को इससे लिए शोभायिी दी है। अंग्रेजी विभाग, दिन दयाल उपप्राध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में कार्यरत अंग्रेजी विभाग के प्रो आनंद कुमार राय एवं उनकी शोध छात्रा जेहरा शमशीर का शोध पत्र 'एनवायरनमेंटल डिस्कोरी - इन सिलेब्रेज्ड टेक्स्ट्स ऑफ साइंस, मीडिया एवं लिटरेचर' तथा विदेश में अत्यधिक गुणवत्तापूर्ण शोध पत्रिका 'इको लॉजि, एनवायरनमेंट और कंजर्वेशन के अंग्रेज और अंतरराष्ट्रीय अकादमिक संस्कृति का एक और परिचायक है। पहले कला संकाय के पारंपरिक विषयों तथा साहित्य और मानविकी के विषयों पर प्रकाशन नहीं के बराबर होते थे। इसका दो वर्षों में इसकी शुरुआत हुई है। हम अन्य विभागों से भी यह आशंका करते हैं कि वे भी अपने प्रकाशन ऐसे प्रकाशनीय मानक वाले शोध पत्रिकाओं में अपने शोध को प्रकाशित करें।

यू जी सी केयर लिस्ट, वेब ऑफ साइंस, एबको - यू एस, इंडियन साइंस एक्सेलेंस निसकेयर, रिसर्च बाइबल जर्नल और रिसर्च गेट में इंडेक्स अर्थात् सूचीबद्ध है यह शोध पत्रिका

संरक्षण के लिए केवल भावनात्मक रूप से बड़ी-बड़ी शारत्र समतल वार्त करके कोई लाभ प्राप्त नहीं होगा। हमें सूक्ष्म विश्लेषण करना होगा। साहित्य ने भी समय-समय पर विभिन्न सिद्धांतों के द्वारा यह बताते की कोशिश की है कि हमें पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के लिए कुछ ठोस उपाय करने होंगे। विज्ञान जगत के द्वारा बनाए गए बिंदुओं के साथ संवेदनाओं को जोड़ते हुए एक कुशल रणनीति बनाना होगा। साहित्य एवं विज्ञान के अलावा मीडिया का भी हमें रबरक पर्यावरण संरक्षण के लिए अनेकों कार्यक्रम और लेख श्रृंखलाएं चलाई जाती हैं। हमें उन पर भी बहुत पैनी नजर रखनी होगी। सचमुच वक्तु को एक इकाई मानकर अलग-अलग क्षेत्र में जिस तरह के पर्यावरणीय सेतना को जागृत करने की आवश्यकता है इसका ज्ञान हमें तभी हो पाएगा जब हम इन तीनों विषयों में एक अंतर्गुणकारी अध्ययन को बढ़ावा देने की कोशिश करेंगे। फेयरवेलरों के डिस्कोरी एनालिसिस सिद्धांत के

परिप्रेक्ष्य में इस शोध पत्र को पूर्ण किया गया है। एडवर्ड विलसन की कृति 'हॉक अर्थ - आवर प्लेनेट्स फाइट फॉर लाइफ' रामचंद्र गुहा की कृति 'स्पीकिंग विथ नैचर - द ऑरिजिन ऑफ इंडियन एनवायरनमेंटलजिज्म और नशाभी क्लेन अलन फायर-द बर्निंग केस फॉर ए ग्रीन यू थोल्ड के तुलनात्मक अध्ययन से शोभायिी ने यह बताते की केंद्रित विज्ञान को विचार कर वसुधा कर्षित नीतियां बनाने का यह सर्वोत्तम समय है। हम सभी को मिलकर वास्तविक पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में आगे बढ़ना होगा। केवल पर्यावरण दिवस मनाने भर लेने से पर्यावरण के प्रति हमारी जिम्मेदारी पूरी नहीं हो जाती। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रो सुनीता मुर्मू, प्रो अतंक कुमार, प्रो अजय शुक्ला, प्रो शशिबहा, प्रो अनिल शर्मा, प्रो शिखा सिंह आदि ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए दोनों शाोधार्थियों को अनेक शुभकामनाएं दी हैं।

शोध पात्रता परीक्षा का अंतिम चयन परिणाम एवं प्रवेश कार्यक्रम घोषित

विधि एवं इंजीनियरिंग के परिणाम रविवार को घोषित किए जाएंगे: प्रो. हर्ष सिन्हा

रेट 2025 प्रवेश के आवेदन से अंतिम परिणाम की प्रक्रिया तीन माह से कम समय में पूरी करना सुखद है। नए सन की शुरुआत से ही उनका कोर्सवर्क शुरू हो जाएगा। - कुलपति प्रो पूनम टंडन

संवादादाता गोरखपुर।

दिन दयाल उपप्राध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय द्वारा शोध पात्रता परीक्षा (RET) 2025 का अंतिम परिणाम आज देर शाम आधिकारिक रूप से जारी कर दिया गया है। कुलपति प्रो पूनम टंडन ने रिकॉर्ड समय में घोषित परिणामों पर खुशी जाहिर करते हुए आशा व्यक्त की है कि सफल अभ्यर्थी शोध ही विश्वविद्यालय परिवार का हिस्सा बनेंगे। परीक्षाई अपना परिणाम विश्वविद्यालय के प्रवेश पोर्टल dduugadmission.in पर अपने उक्त नंबर और जन्मदिन की सहायता से देख सकते

प्रवेश एवं काउंसिलिंग कार्यक्रम भी जारी

परिणाम घोषणा के साथ ही विश्वविद्यालय ने आगामी प्रवेश प्रक्रिया की रूपरेखा भी स्पष्ट कर दी है। शोध एवं विकास प्रकोष्ठ की ओर से निर्गत सूचना के अनुसार, कैंटेनरीवार सीटों का आवंटन और प्रतीक्षा-सूची का प्रकाशन 16 मई, तक कर दिया जाएगा। यद्यति अभ्यर्थियों के प्रमाण-पत्रों का सत्यापन 18 मई से 20 मई के मध्य किया जाएगा, जिसके उपरांत अथर्वी 21 से 25 मई तक अपना शुल्क जमा कर सकेंगे। शोधार्थियों को शोध पर्यवेक्षक या सह-शोध पर्यवेक्षक अधिकारिण के लिए जाने की प्रक्रिया 27 मई 9 जून के बीच संपन्न होगी। अंततः, नव-प्रवेशित शोधार्थियों का कोर्स वर्क जुलाई 2026 के द्वितीय सप्ताह से प्रारंभ कर दिया जाएगा।

यह जानकारी देते हुए प्रवेश प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो हर्ष कुमार् सिन्हा ने बताया कि 8 फरवरी के शुक्र हुई प्रवेश प्रक्रिया के अंतर्गत 27 और 28 मार्च को आयोजित लिखित परीक्षा में 46 विद्यार्थी के कुल 2343 अभ्यर्थी शामिल हुए थे। 3 अंशों को संश्लेषित लिखित परीक्षा के परिणाम में 1339 अभ्यर्थी सहाकार के लिए अर्ह पाए गए थे, जिनके इंटरव्यू 20 अप्रैल से आयोजित किए गए। प्रो सिन्हा ने बताया कि विधि एवं इंजीनियरिंग के परिणाम रविवार को घोषित किए जाएंगे। सभी सफल अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि वे प्रवेश सुनिश्चित करने हेतु निम्नलिखित समय-सीमा के भीतर ससस्त औपचारिकताओं को पूर्ण कर लें।

08 अदम ई-टिकटों के साथ दुकान संचालक गिरफ्तार

गोरखपुर (गो०ने०)।

रेलवे सुरक्षा बल, पूर्वांचल रेलवे द्वारा, रेल सम्पत्ति की सुरक्षा, अवैध सामानों की धर-पकड़, यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही वचन बन्धाओं अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता है। इसी क्रम में, 07 मई, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल एवं अपराध आसूचना शाखा कासमंज द्वारा संयुक्त रूप से निगरानी के दौरान पटियाली रेलवे स्टेशन स्थित एक दुकान से ई-टिकटों के अवैध कारोबार में संलिप्त एक दुकान संचालक को 08 अदम ई-टिकटों के साथ गिरफ्तार किया गया। 07 मई, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल गोरखपुर को प्लेटफार्म संख्या-02 पर 08 वर्ष का एक लड़का लावारिस हालत में मिला। पूछताछ के उपरांत लड़के को चाइल्ड लाइन गोरखपुर को सुपुर्द किया गया। 07 मई, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल बुढ़वल एवं सामाजिक निगरानी के दौरान गाड़ी संख्या-15211 में 14 से 17 वर्ष के 09 लड़के लावारिस हालत में मिले। पूछताछ के उपरांत सभी लड़कों को चाइल्ड लाइन बाराबंकी को सुपुर्द किया गया। प्रायोगिक ठहराव की अधिसूचना अपरिहार्य कारणों से निरस्त गोरखपुर (गो०ने०)। पूर्व में 19045/19046 सूत्र-थावे-सूत्र एक्सप्रेस का दिग्धा दृष्टीहीन स्टेशन पर 02 मिनेट के प्रायोगिक ठहराव की अधिसूचना को अपरिहार्य कारणों से निरस्त कर दिया गया है।

गोरखपुर (गो०ने०)।

रेल प्रशासन द्वारा शोभकाल में यात्रियों की सुगम एवं आरामदायक यात्रा हेतु अनेक ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ियों का संचालन किया जा रहा है। इन विशेष गाड़ियों में 31 मई, 2026 तक के लिये 08 मई, 2026 को सार्व बर्ध/सीट की उपलब्धता निम्नवत् है। - गोरखपुर से चलने वाली 05101 गोरखपुर-नई दिल्ली ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी में 16 मई, 2026 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 432 बर्ध, 30 मई, 2026 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 74 एवं शयनयान श्रेणी में 42 बर्ध तथा 27 मई, 2026 को वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 33 एवं शयनयान श्रेणी में 167 बर्ध उपलब्ध हैं। - गोरखपुर से चलने वाली 05634 गोरखपुर-नारंगी ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी में 29 मई, 2026 को शयनयान श्रेणी में 59 बर्ध उपलब्ध हैं।

गोरखपुर (गो०ने०)।

रेल प्रशासन द्वारा शोभकाल में यात्रियों की सुगम एवं आरामदायक यात्रा हेतु अनेक ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ियों का संचालन किया जा रहा है। इन विशेष गाड़ियों में 31 मई, 2026 तक के लिये 08 मई, 2026 को सार्व बर्ध/सीट की उपलब्धता निम्नवत् है। - गोरखपुर से चलने वाली 05101 गोरखपुर-नई दिल्ली ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी में 16 मई, 2026 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 432 बर्ध, 30 मई, 2026 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 74 एवं शयनयान श्रेणी में 42 बर्ध तथा 27 मई, 2026 को वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 33 एवं शयनयान श्रेणी में 167 बर्ध उपलब्ध हैं। - गोरखपुर से चलने वाली 05634 गोरखपुर-नारंगी ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी में 29 मई, 2026 को शयनयान श्रेणी में 59 बर्ध उपलब्ध हैं।

गोरखपुर (गो०ने०)।

रेल प्रशासन द्वारा शोभकाल में यात्रियों की सुगम एवं आरामदायक यात्रा हेतु अनेक ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ियों का संचालन किया जा रहा है। इन विशेष गाड़ियों में 31 मई, 2026 तक के लिये 08 मई, 2026 को सार्व बर्ध/सीट की उपलब्धता निम्नवत् है। - गोरखपुर से चलने वाली 05101 गोरखपुर-नई दिल्ली ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी में 16 मई, 2026 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 432 बर्ध, 30 मई, 2026 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 74 एवं शयनयान श्रेणी में 42 बर्ध तथा 27 मई, 2026 को वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 33 एवं शयनयान श्रेणी में 167 बर्ध उपलब्ध हैं। - गोरखपुर से चलने वाली 05634 गोरखपुर-नारंगी ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी में 29 मई, 2026 को शयनयान श्रेणी में 59 बर्ध उपलब्ध हैं।

यू पी बोर्ड की हाई स्कूल व इंटर की कक्षाओं में अवर अंक पाने वालों को किया गया सम्मान

मेजा प्रयागराज।

यू पी बोर्ड के परीक्षा में सर्वोच्च अंक पाने वाले जगदीश कुमार इंटर कॉलेज कोहड़ार के छात्र-छात्राओं को प्रबंधक का संतोष जैन व प्रधानाचार्य राजेश तिवारी ने भी सीला चलेने की अवश्यकता है। प्रधानाचार्य राजेश तिवारी ने अबल

कि हाई स्कूल में अंकित निवारण व सुक्ति मिश्रा इंटर में छात्र अक्षय केशरी शाशक मिश्रा ने जिस प्रकार से सर्वोच्च अंक यू पी बोर्ड में पाकर कॉलेज का नाम रोशन किया है, ऐसे छात्राओं के अन्य छात्रों को भी सीला चलेने की आवश्यकता है। प्रधानाचार्य राजेश तिवारी ने अबल

छात्राओं को पुस्तक प्रदान की। इस अवसर पर कॉलेज के शिक्षक प्रकाश चंद तिवारी, नाथिंद्र सिंह, रमेश चंद्र, मंगल प्रसाद शर्मा, अनुराधा तिवारी अजय जैन, अशोक कुमार, हिमांशु यादव, बालकृष्ण तिवारी तुलसीदास तिवारी प्रभुन मिश्रा, आदर्श तिवारी सहित कई उपस्थित रहे।

पूर्वांचल रेलवे

ई-निविदा सूचना भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ यांत्रिक इंजीनियर/ईनप्राएक्चर, फ्रेट एवं डीएम, लखनऊ, पूर्वांचल रेलवे, लखनऊ द्वारा, निम्नलिखित कार्य हेतु सिंगल बिड सिस्टम आधारित खुली ई-निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। क्रम सं-1, निविदा सूचना संख्या 01-2026-Mech-FRT-DM, कार्य का नाम: 'रिपेयर, मेन्टेनेन्स एण्ड हाउसकीपिंग एक्टिविटी/ईएट गैंग्स, सिमलानाईन एक्ज फ्रेट यादव' फार डू इयर' अनुमानित लागत (रु०ने०) ₹ 7,00,84,393.41, अंतिम धम (रु०ने०) ₹ 14,13,700/-, निविदा की अवधि: 24 माह। ई-निविदा प्रपत्र अपलोड करने की अंतिम तिथि एवं समय 01-06-2026, 15:00 बजे तक एवं यह ई-निविदा विनांक 01-06-2026 को 15:00 बजे के बाद खोली जायेगी। इस ई-निविदा से सम्बंधित विस्तृत जानकारी, न्यूनतम अर्हतायें तथा नियम एवं शर्तें, जूनियर वेबसाइट www.reps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदाकार ई-निविदा प्रपत्र को अपलोड करने से पूर्व इस ई-निविदा सूचना से सम्बंधित शुद्धि पत्र (यदि कोई हो) को वेबसाइट पर प्रकाशन में लेना सुनिश्चित करें। वरिष्मन्नीय/ईजी/ईनप्राएक्चर, फ्रेट एवं डीएम गोरखपुर/यांत्रिक-17/लखनऊ, लखनऊ गाड़ियों की छात्रों व पाठवान पर कक्षासि यात्रा न करें।

पूर्वांचल रेलवे

ई-निविदा सूचना भारत के राष्ट्रपति की ओर से, उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/निर्माण/सूत्रित रेलवे/लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए 'खुली' निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा सं- 01/01/09-2026, कार्य का विवरण: गीमतीनगर स्टेशन/यादव में प्रसिद्ध 03 नम्बर नये स्टैटलिंग लाइनों के विद्युतीकरण कार्यों का डिजाइन, आपूर्ति, निर्माण, परीक्षण एवं संस्थापना का कार्य। अनुमानित लागत: रु. 18458078.73, ब्याना राशि: रु. 3692000.00, निविदा प्रपत्र का मूल्य - निल, कार्य पूर्ण करने की अंतिम तिथि व समय 23-05-2026 को 15:00 बजे (भारतीय समयानुसार)। नोट: • इस निविदा के विरुद्ध मैन्युअल ऑफर, रीकार्ड नहीं किया जायेगा। ऐसे प्राप्य मैन्युअल ऑफर को उत्प्रेक्षित कर दिया जायेगा। विस्तृत विवरण व निविदा जमा करने हेतु सूचनायें वारिधियां रेलवे की वेबसाइट <http://www.reps.gov.in> को देखें। • निविदा सूचना में यदि हिन्दी या अंग्रेजी के आलेखों में कोई विन्ताना होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख माने जायेंगे।

ई-निविदा सूचना: ओटीसी-09-2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/निर्माण/सूत्रित रेलवे/लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए 'खुली' निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा सं- 01/01/09-2026, कार्य का विवरण: गीमतीनगर स्टेशन/यादव में प्रसिद्ध 03 नम्बर नये स्टैटलिंग लाइनों के विद्युतीकरण कार्यों का डिजाइन, आपूर्ति, निर्माण, परीक्षण एवं संस्थापना का कार्य। अनुमानित लागत: रु. 18458078.73, ब्याना राशि: रु. 3692000.00, निविदा प्रपत्र का मूल्य - निल, कार्य पूर्ण करने की अंतिम तिथि व समय 23-05-2026 को 15:00 बजे (भारतीय समयानुसार)। नोट: • इस निविदा के विरुद्ध मैन्युअल ऑफर, रीकार्ड नहीं किया जायेगा। ऐसे प्राप्य मैन्युअल ऑफर को उत्प्रेक्षित कर दिया जायेगा। विस्तृत विवरण व निविदा जमा करने हेतु सूचनायें वारिधियां रेलवे की वेबसाइट <http://www.reps.gov.in> को देखें। • निविदा सूचना में यदि हिन्दी या अंग्रेजी के आलेखों में कोई विन्ताना होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख माने जायेंगे।

केएल राहुल का बड़ा कारनामा, आईपीएल में यह वैश्विक अस्थिरता से फिर बड़े सोने के मुकाम हासिल करने वाले बने पहले बल्लेबाज दाम, चांदी 2.60 लाख रुपए के पार



खेलते हुए 35 पारियों में एक हजार रन पूरे किए थे। टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स को केएल राहुल और पाथुम निसांका ने सभी हुई शुरुआत दी। दोनों ने मिलकर पहले विकेट के लिए 30 गेंदों में 49 रन जोड़े। राहुल 4 चौकों की मदद से 23 रन बनाये के बाद कार्तिक त्यागी का शिकार बने। वहीं, नीतीश राणा बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और महज 8 रन बनाकर आउट हुए।

समीर रिजवी को सुनील नेरेन ने 3 रनों के स्कोर पर पब्लियम भेजा। ट्रीस्टन स्टुड्स 2 रन ही बना सके। पाथुम निसांका 29 गेंदों में 50 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने अपनी इस पारी में 5 चौके और 3 छक्के लगाए। दिल्ली कैपिटल्स ने इस मुकामवले के लिए अपनी प्लेइंग इलेवन में दो बदलाव किए हैं। करण नायर की जगह विपराज निगम को मौका दिया गया है, जबकि टी नरराजण के स्थान पर मुकेश कुमार को मौका दिया गया है।

सोने का दाम 2.60 लाख रुपए के पार

मुंबई । वैश्विक स्तर पर अस्थिरता के चलते सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट का सिलसिला जारी है और कीमतों में शुक्रवार को 0.81 प्रतिशत तक की गिरावट देखने को मिली।

मट्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 5 जून 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,52,261 रुपए के मुकामवले 411 रुपए बढ़कर 1,52,672 रुपए पर खुला।

सुवह 9रू43 पर यह 471 रुपए या 0.31 प्रतिशत की मजबूती के साथ 1,52,732 रुपए पर था। अब तक के कारोबार में सोने ने 1,52,672 रुपए का न्यूनतम स्तर और 1,53,103 रुपए का उच्चतम बनाया है।

चांदी का 3 जुलाई 2026 को कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 2,58,540 रुपए के मुकामवले 1,445 रुपए की बढ़त के साथ 2,59,989 रुपए पर खुला। खबर लिखे जाते समय यह 2,118 रुपए या 0.82 प्रतिशत की मजबूती के साथ 2,60,658 रुपए पर था। अब तक के कारोबार में चांदी का न्यूनतम स्तर



2,59,989 रुपए और उच्चतम स्तर 2,61,811 रुपए रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने और चांदी में तेजी देखी जा रही है। कॉमिक्स पर सोना 0.28 प्रतिशत की तेजी के साथ 4,725 डॉलर प्रति औंस और चांदी 0.17 प्रतिशत की मजबूती के साथ 80.30 डॉलर प्रति औंस पर थी।

2,59,989 रुपए और उच्चतम स्तर 2,61,811 रुपए रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने और चांदी में तेजी देखी जा रही है। कॉमिक्स पर सोना 0.28 प्रतिशत की तेजी के साथ 4,725 डॉलर प्रति औंस और चांदी 0.17 प्रतिशत की मजबूती के साथ 80.30 डॉलर प्रति औंस पर थी।

सोने और चांदी की कीमतों में तेजी की वजह वैश्विक स्तर पर अस्थिरता का बढ़ना है। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर से बढ़ने के चलते इसमें इजाफा हुआ है। इससे सुरक्षित माने जाने वाले सोने और चांदी की खरीद को बढ़ावा मिल रहा है। हालांकि, शांति के लिए दोनों देशों के बीच बातचीत लगातार जारी है और उम्मीद की जा रही है कि एक अस्थायी समझौता जल्द ही हो सकता है।

अमेरिका और ईरान में तनाव बढ़ने के कारण भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ खुला। इस दौरान सेंसेक्स 212.58 अंक या 0.27 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 77,631.94 अंक और निफ्टी 93 अंक या 0.38 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,233.65 पर था।

चहल से जुड़े वैपिंग विवाद के बाद बीसीसीआई सख्त, अर्शदीप को 'लॉगिंग' बंद करने का फरमान : रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के आईपीएल फ्रेंचाइजियों और खिलाड़ियों के लिए सख्त परिचालन और सुख्खा दिशानिर्देश लाने के कुछ घंटों बाद ही खबर है कि बोर्ड ने अर्शदीप सिंह को पदों के पीछे की लॉगिंग बंद करने का फरमान जारी किया है। माना जा रहा है बीसीसीआई ने यह कदम सुजवंद्र चहल से जुड़े विवाद के बाद उठाया है। रणजीटीवी सीटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, बीसीसीआई ने पंजाब किंग्स के गेंदबाज से लॉगिंग बंद करने को कहा है क्योंकि उनके एक ट्विटर वीडियो में कथित तौर पर चहल देवदास के लिए टीम की प्रलाइव के दौरान वैपिंग करते हुए दिखे थे। यह मामला तब उजा, जब अर्शदीप को लॉगिंग के सोशल मीडिया विलप वायरर हो गए। इन विलप में चहल वैपिंग करने का इशारा करने से पहले अपनी बाईं हाथ के नीचे कुछ छिपाते हुए दिखते हैं। फुटेज में धुंध का एक छोटा नंबर भी दिखाई दिया था। अर्शदीप के यूट्यूब चैनल पर अपलोड किए गए ऑनलाइन वजन में कथित तौर पर पूरा सीन शामिल था, जिसे बाद में एडिट किया गया। हालांकि, फुटेज



पहले ही ऑनलाइन बड़ी संख्या में लोगों तक पहुंच चुका था। अभी तक, न तो बीसीसीआई और न ही पंजाब किंग्स ने इस मामले पर कोई आधिकारिक बयान जारी किया है। इस सीजन में आईपीएल में वैपिंग से जुड़ा यह दूसरा मामला है। इससे पहले, राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग पर न्यू चंडीगढ़ में पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच के दौरान ड्रेसिंग रूम के अंदर वैपिंग करने का आरोप लगा था, जिसे बाद में वैपिंग बंद है। इस वजह से, पराग पर

मैच फीस का 25 प्रतिशत जुमाना लगाया गया और खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों के लिए आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट के लेवल 1 को तोड़ने के लिए एक डिमेंटिड पीट मिली। इसी बीच, बीसीसीआई ने सभी 10 आईपीएल फ्रेंचाइजियों को 8 पेज की नई गाइडलाइन भी भेजी है। इसमें एटी-कमिशन न्यूनतम (एपीएसयू) की बिताओं का जिक्र करते हुए सुरक्षा और अनुशासन को मजबूत करने के निर्देश दिए गए हैं। नई

स्टैंडर्ड ऑपरेंटिंग प्रोसीजर (एसओपी) के तहत अर्शदीप, टीम स्टफ और फ्रेंचाइजी गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। बोर्ड ने साफ किया है कि टीम की इंटिग्रीटी और सुरक्षा बनाए रखने के लिए संप्रदाज सेक और सख्त नियम लागू किए जाएंगे। बीसीसीआई का कहना है कि खिलाड़ियों को अपनी फ्लिक और प्राइवेट गतिविधियों में ज्यादा जिम्मेदारी दिखानी होगी ताकि आईपीएल की छवि सुरक्षित रहे।

आईपीएल 2026 : पाथुम निसांका का अर्धशतक, डीसी ने 8 विकेट खोकर बनाए 142 रन



नई दिल्ली। आईपीएल 2026 के 51वें मुकामवले में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) की मिडल शुक्रवार को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के साथ हो रही है। अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में पहले बल्लेबाजी करते हुए डीसी ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 142 रन स्कोरवर्ड पर लगाए। टॉस गंवाकर पहले

बल्लेबाजी करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स की शुरुआत अरुण जेटली और पाथुम निसांका की सलामी जोड़ी ने 30 गेंदों में 49 रन जोड़े। राहुल 14 गेंदों में 23 रन बनाकर आउट हुए। हालांकि, आशुतोष ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 28 गेंदों में 39 रनों का योगदान दिया। आशुतोष ने अपनी इस पारी में 3 चौके और 3 छक्के लगाए। मिथेल स्टार्क बिना खाता खोले सजाउट होकर पब्लियम लोटे। विपराज

3 और लुंगी एनगिडी एक रन के बराबर नाबाद रहे। नंबाजी ने केकेआर की ओर से अनुकूल संस और खलीक त्यागी ने दो-दो विकेट चटकाए, जबकि वैभव अरोड़ा और सुनील नेरेन ने एक-एक विकेट निकाला। अनिश्चय रहने की कप्तानी में कोलकाता नाइट राइडर्स इस मुकामवले में अंगरुध रघुवंशी (विक्टोकीपर), केमरून ग्रीन, रोमैन फॉब्ले, मनीष पंडे, रिशू सिंह, ज्युलियन नेरेन, अनुकूल संस, कार्तिक त्यागी, वैभव अरोड़ा और वरुण चक्रवर्ती के साथ खेल रही है। दिल्ली कैपिटल्स अक्षर पटेल की अगुआई में इस मुकामवले में पाथुम निसांका, केएल राहुल (विक्टोकीपर), नीतीश राणा, समीर रिजवी, ट्रीस्टन स्टुड्स, आशुतोष निगम, विपराज निगम, मिथेल स्टार्क, लुंगी एनगिडी और मुकेश कुमार के साथ मैदान पर उतरी है।

अश्वफ रोड की जान..गुरखा की फोर्स मोटर्स ने बढ़ाई कीमत

नई दिल्ली भारत में ऑफ रोड की जान कही जाने वाली गुरखा की फोर्स मोटर्स ने कीमत बढ़ा दी है। निर्माता की ओर से आफर की जाने वाली इस एसयूवी की कीमत को बढ़ा दिया गया है। इससे किस वैरिएंट की कीमत में कितनी बढ़ोतरी की गई है।

ऑफ रोड की जान... गुरखा अब होगी महंगी! फोर्स मोटर्स ने बढ़ाई कीमत

हम आपको इस खबर में बता रहे हैं। फोर्स की ओर से आफर की जाने वाली एसयूवी गुरखा की कीमत में बढ़ोतरी कर दी गई है। निर्माता की ओर से तत्काल प्रभाव से कीमत में बढ़ोतरी कर दी गई है। इतनी बड़ी कीमत:

इतना दमदार इंजन: फोर्स की ओर से गुरखा में 2.6 लीटर की क्षमता का डीजल इंजन दिया जाता है। इस इंजन से 132 बीएसपी की पावर और 320 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिलता है। इसके साथ ही छह स्पीड ट्रान्समिशन मिलता है। एसयूवी में ऑफ रोडिंग के लिए फोर्स वील ड्राइव को भी दिया जाता है। इतनी है कीमत: बढ़ोतरी के बाद फोर्स की गुरखा की एक्स शोरूम कीमत 16.31 लाख रुपये है। इसके टॉप वैरिएंट की एक्स शोरूम

कीमत 17.83 लाख रुपये है। इस एसयूवी को आखिरी बार 2024 में अपडेट किया गया था जब पांच दरवाजों वाले वैरिएंट को भी अपडेट किया था।

भारत की एनपीएस की संपत्ति 15.95 लाख करोड़ रुपए के पार, ईपीएस में योगदान करने वालों की संख्या 7.98 करोड़ पहुंची

नई दिल्ली। भारत की रिटायरमेंट व्यवस्था में बड़ा विस्तार देखने को मिला है। सरकार ने गुरुवार को बताया कि नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) के तहत प्रबंधित संपत्ति 15.95 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गई है, जबकि अटल पेंशन योजना (एपीवाई) के तहत यह अंकड़ा 51,400 करोड़ रुपए हो गया है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि एनपीएस में नामांकन करने वाले सब्सक्राइबर्स की संख्या 2.17 करोड़ से अधिक हो गई है, जबकि एपीवाई के तहत 8.96 करोड़ नामांकन दर्ज किए गए हैं। यह भारत की पेंशन व्यवस्था में लगातार मजबूत वृद्धि को दर्शाता है। एनपीएस पेंशन स्कीम (ईपीएस) में भी तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई है। अप्रैल 2026 तक इसमें योगदान देने वाले सदस्यों की संख्या बढ़कर 7.98 करोड़ हो गई है। गैर-अंशदायी सामाजिक पेंशन योजनाएँ भी आय सहायता का एक महत्वपूर्ण माध्यम बनीं हुई हैं। अप्रैल 2026 तक केंद्र सरकार की सामाजिक पेंशन योजना के तहत 2.92 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को कवर किया गया। इसी अवधि में राज्य सरकारों ने भी 1.41 करोड़ से ज्यादा लाभार्थियों को पेंशन सहायता प्रदान की। भारत की पेंशन व्यवस्था का एक बड़ा हिस्सा अभी भी परिभाषित लाभ (डिफाइंड-बेनेफिट) पेंशन व्यवस्था पर आधारित है। इसके तहत केंद्र सरकार के कर्मचारियों को पेंशन दी जाती है, जिसमें 34 लाख से अधिक रक्षा पेंशनगोतरी और 14 लाख रेलवे पेंशनगोतरी शामिल हैं। बयान में कहा गया कि बढ़ती जीवन प्रत्याशा और रोजगार के बदलते स्वरूप को देखते हुए रिटायरमेंट सुरक्षा को मजबूत करना सामाजिक नीतियों की महत्वपूर्ण प्राथमिकता बन गया है। इस संदर्भ में भारत की पेंशन व्यवस्था समय के साथ लगातार विकसित हुई है। इसमें कई नीतिगत फैसलों और संस्थागत सुधारों के जरिए अद्यतन किया गए हैं। सरकार का फोकस अब सामाजिक सुरक्षा कवरेज बढ़ाने और डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए सेवाओं को बेहतर बनाने पर है।

नई दिल्ली। भारत की रिटायरमेंट व्यवस्था में बड़ा विस्तार देखने को मिला है। सरकार ने गुरुवार को बताया कि नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) के तहत प्रबंधित संपत्ति 15.95 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गई है, जबकि अटल पेंशन योजना (एपीवाई) के तहत यह अंकड़ा 51,400 करोड़ रुपए हो गया है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि एनपीएस में नामांकन करने वाले सब्सक्राइबर्स की संख्या 2.17 करोड़ से अधिक हो गई है, जबकि एपीवाई के तहत 8.96 करोड़ नामांकन दर्ज किए गए हैं। यह भारत की पेंशन व्यवस्था में लगातार मजबूत वृद्धि को दर्शाता है। एनपीएस पेंशन स्कीम (ईपीएस) में भी तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई है। अप्रैल 2026 तक इसमें योगदान देने वाले सदस्यों की संख्या बढ़कर 7.98 करोड़ हो गई है। गैर-अंशदायी सामाजिक पेंशन योजनाएँ भी आय सहायता का एक महत्वपूर्ण माध्यम बनीं हुई हैं। अप्रैल 2026 तक केंद्र सरकार की सामाजिक पेंशन योजना के तहत 2.92 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को कवर किया गया। इसी अवधि में राज्य सरकारों ने भी 1.41 करोड़ से ज्यादा लाभार्थियों को पेंशन सहायता प्रदान की। भारत की पेंशन व्यवस्था का एक बड़ा हिस्सा अभी भी परिभाषित लाभ (डिफाइंड-बेनेफिट) पेंशन व्यवस्था पर आधारित है। इसके तहत केंद्र सरकार के कर्मचारियों को पेंशन दी जाती है, जिसमें 34 लाख से अधिक रक्षा पेंशनगोतरी और 14 लाख रेलवे पेंशनगोतरी शामिल हैं। बयान में कहा गया कि बढ़ती जीवन प्रत्याशा और रोजगार के बदलते स्वरूप को देखते हुए रिटायरमेंट सुरक्षा को मजबूत करना सामाजिक नीतियों की महत्वपूर्ण प्राथमिकता बन गया है। इस संदर्भ में भारत की पेंशन व्यवस्था समय के साथ लगातार विकसित हुई है। इसमें कई नीतिगत फैसलों और संस्थागत सुधारों के जरिए अद्यतन किया गए हैं। सरकार का फोकस अब सामाजिक सुरक्षा कवरेज बढ़ाने और डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए सेवाओं को बेहतर बनाने पर है।

नई दिल्ली। भारत की रिटायरमेंट व्यवस्था में बड़ा विस्तार देखने को मिला है। सरकार ने गुरुवार को बताया कि नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) के तहत प्रबंधित संपत्ति 15.95 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गई है, जबकि अटल पेंशन योजना (एपीवाई) के तहत यह अंकड़ा 51,400 करोड़ रुपए हो गया है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि एनपीएस में नामांकन करने वाले सब्सक्राइबर्स की संख्या 2.17 करोड़ से अधिक हो गई है, जबकि एपीवाई के तहत 8.96 करोड़ नामांकन दर्ज किए गए हैं। यह भारत की पेंशन व्यवस्था में लगातार मजबूत वृद्धि को दर्शाता है। एनपीएस पेंशन स्कीम (ईपीएस) में भी तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई है। अप्रैल 2026 तक इसमें योगदान देने वाले सदस्यों की संख्या बढ़कर 7.98 करोड़ हो गई है। गैर-अंशदायी सामाजिक पेंशन योजनाएँ भी आय सहायता का एक महत्वपूर्ण माध्यम बनीं हुई हैं। अप्रैल 2026 तक केंद्र सरकार की सामाजिक पेंशन योजना के तहत 2.92 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को कवर किया गया। इसी अवधि में राज्य सरकारों ने भी 1.41 करोड़ से ज्यादा लाभार्थियों को पेंशन सहायता प्रदान की। भारत की पेंशन व्यवस्था का एक बड़ा हिस्सा अभी भी परिभाषित लाभ (डिफाइंड-बेनेफिट) पेंशन व्यवस्था पर आधारित है। इसके तहत केंद्र सरकार के कर्मचारियों को पेंशन दी जाती है, जिसमें 34 लाख से अधिक रक्षा पेंशनगोतरी और 14 लाख रेलवे पेंशनगोतरी शामिल हैं। बयान में कहा गया कि बढ़ती जीवन प्रत्याशा और रोजगार के बदलते स्वरूप को देखते हुए रिटायरमेंट सुरक्षा को मजबूत करना सामाजिक नीतियों की महत्वपूर्ण प्राथमिकता बन गया है। इस संदर्भ में भारत की पेंशन व्यवस्था समय के साथ लगातार विकसित हुई है। इसमें कई नीतिगत फैसलों और संस्थागत सुधारों के जरिए अद्यतन किया गए हैं। सरकार का फोकस अब सामाजिक सुरक्षा कवरेज बढ़ाने और डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए सेवाओं को बेहतर बनाने पर है।

Table with 2 columns: पार्क/मॉडल, कीमत (एक्स-शोरूम) and वैरिएंट. Includes models like 5/EDC(M)/MJR/2026-27, 6/EDC(M)/MJR/2026-27, etc.